केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 221 शुकवार 6 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दो बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। राम जानकी मार्ग पर चिलमा बाजार के पास बुधवार दोपहर करीब 3 बजे एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना दुबौलिया थाना क्षेत्र में हुई।

मृतकों की पहचान दुबौलिया थाना क्षेत्र के ऊंजी निवासी स्वप्निल सिंह (22) पुत्र धर्मेंद्र सिंह और कलवारी थाना क्षेत्र के रोहीपुर निवासी शनी (20) पुत्र राम पलट के रूप में हुई है। घायल युवक ज्ञान चंद (25) पुत्र दद्दू प्रसाद भी रोहीपुर, कलवारी थाना क्षेत्र का निवासी है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उसका इलाज जिला अस्पताल बस्ती में चल रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, दो बाइकों की तेज रफ्तार में आमने–सामने की टक्कर हुई, जिससे दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। सूचना मिलने पर दुबौलिया पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर पर पहुंच गए हैं। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जिला खो–खो चैंपियनशिप का आयोजन 7 से

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। जिला खो–खो संघ द्वारा पांचवा जिला खो–खो चौंपियनशिप का आयोजन आगामी 7 और 8 मार्च को आर.पी. साइंस एकेडमी भुवनपुर निकट बक्सर के प्रांगण में किया जाएगा। खेल का उद्घाटन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक मोहम्मद शहजाद और प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र करेंगे तथा समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण आयुष चिकित्साधिकारी डॉ वी.के. वर्मा करेंगे।

यह जानकारी देते हुए जिला खो–खो संघ के सचिव राम सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता सब जूनियर और सीनियर बालक एवं बालिका दो वर्गों में खेला जाएगा। जिसमें पूरे जनपद से 42 टीमें प्रतिभाग करेंगी। बताया कि विजेता, उपविजेता तथा तृतीय स्थान पाने वाली टीमों को सर्टिफिकेट और मेडल से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजन समिति में मुख्य रूप से जिला खो–खो संघ के अध्यक्ष नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, जनता इंटर कॉलेज पोखरा बाजार के शारीरिक शिक्षक प्रभाकर रंजन ओझा, प्रदीप यादव, मंडल क्रीड़ा सचिव अमित यादव, जिला व्यायाम शिक्षक भूपेश सिंह, औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा के प्रधानाचार्य सतीश रंजन सिंह, माता प्रसाद त्रिपाठी, जयराम वर्मा, रणधीर सिंह, प्रेम कुमार वर्मा, कृष्ण गोपाल, विपिन आदि हैं।

नहाने गये छात्र की डूबने से मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। होली खेलने के बाद कुआनों नदी के कछुआड़ घाट पर दोस्तों के साथ नहाने आए दसवीं के छात्र की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण घाट पर जमा हो गए। परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची लालगंज थाने की पुलिस मामले की जांच कर रही है। लालगंज थाना क्षेत्र के माधोपुर गांव निवासी भोला (18) पुत्र रामवृक्ष स्थानीय अमरज्ञान इंटर कॉलेज रखौना का 10 वीं कक्षा का छात्र है। होली खेलने के बाद वह अपने अन्य साथियों के साथ कछुआड़ घाट पर नहाने के लिए आया था।

केन्द्रीय राजनीति में लौटे नीतीश कुमार: वही तंय करेंगे कौन होगा बिहार का मुख्यमंत्री

पटना (आभा)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का फैसला कर लिया है। उन्होंने गुरुवार को पटना में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा चुनाव के लिए पर्चा भरा।

अब नीतीश कुमार तो राज्यसभा जाएंगे, लेकिन बिहार में चर्चा नए सीएम को लेकर हो रही है। सूत्र बता रहे हैं कि नया सीएम बीजेपी से होगा, लेकिन कौन होगा, यह अभी फाइनल नहीं है। नए सीएम को लेकर छिड़ी चर्चा के बीच सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दे दिया है। बीजेपी के सीनियर लीडर गिरिराज सिंह ने साफ कह दिया है कि नई सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नया सीएम नीतीश कुमार की मर्जी से ही बनेगा। गिरिराज सिंह ने यह भी कहा कि 3 साल पहले भी नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने की पेशकश की थी, लेकिन तब बात नहीं बनी थी। वहीं, अब वह राज्यसभा जा रहे हैं और यह पूरी तरह से उनका अपना निर्णय है।

बता दें कि मुख्यमंत्री की दौड़ में सबसे ऊपर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का नाम है। वह तारापुर सीट से बीजेपी के विधायक हैं। मार्च 2023 में भाजपा ने उन्हें संजय जायसवाल की जगह बिहार प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया था। पार्टी ने विशेष रूप से कोइरीध्कुशवाहा समाज के बीच अपनी पैठ मजबूत करने और ओबीसी आधार को विस्तार देने के लिए उन्हें चुना था।

सीएम की रेस में दूसरा नाम नित्यानंद राय का है। साल 2000 से लेकर सांसद चुने जाने तक, वह लगातार हाजीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में चुने जाते रहे। उन्होंने बिहार में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है, जहां उन्होंने पार्टी के आधार को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई।

रेस में तीसरा नाम है दिलीप जायसवाल का। जायसवाल 22 से अधिक वर्षों तक बिहार भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके साथ ही, वह राज्य की नितीश कुमार सरकार में मंत्री पद पर भी आसीन रह

नीतीश कुमार ने एक्स पर लिखा, 'संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही मेरे मन में एक इच्छा थी कि मैं बिहार विधान मंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के भी दोनों सदनों का सदस्य बनूं। इसी क्रम में इस बार हो रहे चुनाव में राज्यसभा का सदस्य बनना चाह रहा हूं।

मैं आपको पूरी ईमानदारी से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपके साथ मेरा यह संबंध भविष्य में भी बना रहेगा एवं आपके साथ मिलकर एक विकसित बिहार बनाने का संकल्प पूर्ववत कायम रहेगा। जो नई सरकार बनेगी उसको मेरा पूरा सहयोग एवं मार्गदर्शन रहेगा।'

जाम से परेशान हैं लोग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। गुरुवार को जिला अस्पताल चौराहे पर भीषण जाम लग गया, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। चौराहे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। इस जाम के कारण आम जनता के साथ–साथ जिला अस्पताल आने–जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई वाहन चालक और यात्री घंटों तक फंसे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जिला अस्पताल के मुख्य मार्ग पर ई–रिक्शा, ऑटो और ठेलों के अवैध रूप से खड़े रहने के कारण यातायात बाधित हुआ।

पड़ोसी देश नेपाल में छिटपुट हिंसा के बीच भारी मतदान

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल में जेन जी प्रोटेस्ट के बाद केपी ओली की सत्ता हटने के बाद नेपाल में पहले देशव्यापी चुनाव में गुरुवार को वोटिंग शांतिपूर्ण रही। लगभग 3 करोड़ लोगों वाले इस हिमालयी देश में सिक्योरिटी फोर्स ने सड़कों पर पेट्रोलिंग की. वोटों की गिनती भी आज ही शुरू हो जाएगी और वीकेंड तक नतीजे आने की उम्मीद है। नेपाल में को प्रतिनिधि सभा की 275 सीटों के लिए मतदान संपन्न हो गया है. निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतदान शाम 5 बजे समाप्त हुआ और मतपेटियों के एकत्र होते ही मतगणना शुरू कर दी जाएगी.

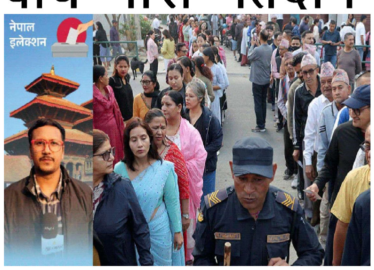

कार्यवाहक मुख्य निर्वाचन आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने उम्मीद जताई कि इस बार मतदान का प्रतिशत 65 फीसदी से अधिक रहने की संभावना है. बता दें कि 2022 के चुनाव में 61.63 प्रतिशत वोटिंग हुई थी. उससे पहले 2017 में मतदान का प्रतिशत 68.67 पर्सेंट तक पहुंच गया था. हालांकि हालिया चुनावों में सबसे अधिक वोटिंग 2013 में हुई थी, उस दौरान 78.34 पर्सेंट वोट पड़े थे.

नेपाली चुनाव आयोग ने कहा है कि देश भर में सुचारू रूप से मतदान चल रहा है. चुनाव आयुक्त जानकी कुमारी तुलाधर ने बताया कि देश भर के सभी मतदान केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और उत्साहपूर्ण माहौल में चल रहा है. किसी भी बूथ पर मतदान स्थगित करने की नौबत नहीं आई है। नेपाल में लुंबिनी में बूथ पर झड़प, 13 राउंड फायरिंग की खबर है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दौड़ प्रतियोगिता 8 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय मेरा युवा भारत और खेलो इण्डिया द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आगामी 8 मार्च को शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में अस्मिता लीग के तहत खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

यह जानकारी देते हुये जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दिन में 9.30 बजे से बालिकाओं, युवतियों की 100, 200, 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगितायें होंगी। दौड़ में 13 वर्ष के भीतर, 13–18 और 18 वर्ष से 30 वर्ष के बीच बालिकायें और युवतियों हिस्सा ले सकेंगी।

पुलिस लाइन में होली की धूम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। पुलिस लाइन परिसर में होली के दूसरे दिन जवानों ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान परिसर रंगों और उमंग से सराबोर दिखा, हालांकि कार्यक्रम में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद नहीं थे।

सुबह से ही पुलिस लाइन में अनौपचारिक होली मिलन का माहौल बन गया था। जवानों ने टोलियां बनाकर एक–दूसरे को रंग लगाया और मिठाई खिलाकर त्योहार की शुभकामनाएं दीं। रंगों की मस्ती इतनी अधिक थी कि कई जवानों के कुर्ते और पैंट फट गए। इसके बावजूद उनके चेहरों पर खुशी और भाईचारे की झलक साफ दिखाई दे रही थी।

डीजे की तेज धुन पर पुलिसकर्मी फिल्मी और पारंपरिक होली गीतों पर थिरकते नजर आए।

पत्रकार को पितृशोक

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। कौटिल्य का भारत अखबार के जिला संवाददाता मनोज कुमार यादव के बड़े पिताजी विरजा यादव का अंतिम संस्कार कुआनो नदी के मुक्तिघाट पर किया गया। विरजा यादव का 83 वर्ष की उम्र मे 03 मार्च की सांयकाल निधन हो गया। वे बीमारी से पीड़ित थे। उनके छोटे भाई लालमन यादव ने उन्हे मुखाग्नि दिया।

मनोज यादव को पितृशोक होने पर नेशनल प्रेस क्लब बस्ती के पदाधिकारियों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये स्व. विरजा यादव को श्रद्धांजलि दिया है। श्रद्धांजलि देने वालों में प्रमुख रूप से नेशनल प्रेस क्लब के संस्थापक राजेन्द्रनाथ तिवारी, संरक्षक अशोक श्रीवास्तव, संतोष सिंह, धनंजय श्रीवास्तव, संदीप यादव, मोहित पाण्डेय, नीरज श्रीवास्तव, विरेन्द्र पाण्डेय, कमलेश सिंह, राघवेन्द्र सिंह, वसीम अहमद, सतीश श्रीवास्तव, सतीश श्रीवास्तव, शंकर यादव, अब्दुल कलाम, शम्भूनाथ गुप्ता, रत्नेन्द्र पाण्डेय, मिर्जा जमीर अहमद, हरिओम लल्ला, सलामुद्दीन आदि शामिल हैं।

पौराणिक मनोरमा के अस्तित्व पर गहराया संकट

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती । हर्रैया स्थित मदही ग्राम में मनोरमा नदी का अस्तित्व खतरे में है। विकास और स्वच्छता अभियानों के दावों के बीच, कभी निर्मल और जीवनदायिनी मानी जाने वाली यह नदी अब गंदगी, जलकुंभी और गाद की परतों में सिमटती नजर आ रही है। नदी का प्राकृतिक प्रवाह लगभग थम चुका है और घाटों पर पानी की जगह जलकुंभी का साम्राज्य दिखाई देता है।

सतह पर जमी काई, प्लास्टिक कचरा और सड़ांध ने इसे बहती नदी से अधिक ठहरे हुए तालाब का रूप दे दिया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि स्थानीय लोगों के अनुसार, अब यह पानी नहाने तो क्या, आचमन करने योग्य भी नहीं रह गया है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सफाई और ड्रेजिंग कार्य न होने के कारण नदी में सिल्ट और कचरे का अंबार लग गया है।

प्रशासन की अनदेखी से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मनोरमा नदी का इस क्षेत्र में गहरा धार्मिक महत्व है और श्रद्धालु वर्षों से यहां स्नान और पूजन के लिए आते रहे हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति को देखते हुए लोग पानी को छूने से भी हिचकिचा रहे हैं।

ठहरा हुआ दूषित पानी मच्छरों और बैक्टीरिया का केंद्र बन गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। गांव के मवेशी भी इसी नदी पर निर्भर हैं, परंतु प्रदूषित पानी उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक साबित हो रहा है।

स्थानीय निवासी सुशील पांडे, अनुप पांडे, राजन पांडे, इंद्रमणि पांडे, अजय पांडे और अनिल कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सफाई, जलकुंभी निष्कासन और पुनरुद्धार कार्य शुरू नहीं हुआ, तो आने वाली पीढ़ी के लिए यह नदी केवल एक सूखी स्मृति बनकर रह जाएगी।

भारत ने खामेनेई की मौत पर जताया दुख, विदेश सचिव ने किया ईरानी राजदूत से मुलाकात

नई दिल्ली (आभा)। भारत सरकार ने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई को गहन श्रद्धांजलि अर्पित की है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास पहुंचकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। बता दें कि 28 फरवरी 2026 को इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले किए थे, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई थी।

इस हमले के बाद ईरान में गहरा शोक और राजनीतिक उथल–पुथल मची हुई है। दूसरी ओर भारत के विपक्षी दल सरकार पर कई तरह के आरोप लगा रहे हैं, साथ ही कुछ लोगों का कहना था कि भारत की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। देश के अंदर चल रही राजनीतिक बहस के बीच विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ईरानी दूतावास जाकर इस दुखद घटना पर ईरान सरकार और वहां के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोक पुस्तिका में संदेश दर्ज किया और भारत–ईरान के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को दोहराया।

ईरान में आयतुल्लाह खामेनेई के निधन के बाद 40 दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों ने उनकी मौत पर श्रद्धांजलि अर्पित की है, जबकि क्षेत्रीय तनाव बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। भारत ने इस संवेदनशील स्थिति में संतुलित रुख अपनाते हुए ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया है। गौरतलब है कि गुरुवार को ही आम आदमी पार्टी ने अमेरिका–ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि यह देश के लिए खतरनाक संकेत है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने आज कहा कि प्रधानमंत्री की यह चुप्पी भारत के लिए खतरनाक संकेत है। अमेरिका इस युद्ध की तैयारी कई महीने से कर रहा था। उसे पता था कि युद्ध शुरू होने के बाद तेल की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है फिर भी अमेरिका ने व्यापार समझौता के जरिए भारत को रूस से तेल नहीं लेने के लिए मना लिया। ऐसे में देशवासी जानना चाहते हैं कि क्या अमेरिका ने हमारे प्रधानमंत्री को गुमराह किया या फिर खुद प्रधानमंत्री अमेरिका को खुश रखने के लिए भारत के हितों से समझौता किया?

दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि हिंद महासागर में अमेरिकी हमले में ईरानी जहाज के डूबने की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की चुप्पी से साफ है कि देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों की घोर उपेक्षा की जा रही है।

छात्रा की हत्या मामले में परिजनों से मिले सांसद रामप्रसाद: न्याय और सरकारी मदद का दिया आश्वासन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र स्थित बैडारी एहतमाली के मदरहवा पुरवे में इंटर की छात्रा अनुष्का की हत्या के बाद गुरुवार को बस्ती सांसद रामप्रसाद चौधरी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी और हरसंभव सरकारी मदद तथा सुरक्षा का आश्वासन दिया। सांसद ने मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश भी दिए।

मृतका अनुष्का के पिता दिनेश चंद, जो पंजाब में कार्यरत थे, घटना की सूचना मिलने पर गांव लौट आए हैं। उन्होंने प्रशासन से अपनी बेटी के लिए न्याय की गुहार लगाई। दिनेश चंद ने सवाल उठाया कि उनकी बेटी का क्या दोष था कि उसे सोते समय मार दिया गया। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले अनुष्का अपने छोटे भाई के साथ घर के बरामदे में सो रही थी। तभी अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मारकर हत्या कर दी थी। प्रारंभिक जांच में यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी सहित पुलिस की पांच टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस कप्तान स्वयं इस संवेदनशील मामले की निगरानी कर रहे हैं।

राजेन्द्र हॉस्पिटल में अत्याधुनिक लेवल-3 एनआईसीयू की सुविधा, : आयुष्मान योजना से नवजातों का निःशुल्क इलाज

-बस्ती मण्डल में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश है हॉस्पिटल
-बेटी पैदा होने पर किसी प्रकार की फीस नहीं, एम्बुलेंस की निःशुल्क सुविधा- डा. ईशा कपूर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—
बस्ती। मुण्डेरवा मार्ग राजेन्द्रानगर में स्थित राजेंद्र हॉस्पिटल में नवजात शिशुओं के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डा. ईशा कपूर ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अस्पताल में लेवल–3 एनआईसीयू (नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट) की व्यवस्था की गई है, जो पूर्वांचल क्षेत्र में बहुत कम अस्पतालों में उपलब्ध है।

डा. कपूर ने बताया कि हाल ही में एक नवजात शिशु संतकबीर नगर जनपद के बीना देवी पत्नी उमापति को गंभीर स्थिति में यहां भर्ती कराया गया था। बच्चे का जन्म किसी अन्य स्थान पर हुआ था और उसकी तबीयत ठीक नहीं थी, जिसके बाद उसे राजेंद्र हॉस्पिटल के एनआईसीयू में भर्ती कराया गया। यहां विशेषज्ञ डाक्टरों और आधुनिक मशीनों की मदद से उसका इलाज किया गया, जिसके बाद अब बच्चा पूरी तरह स्वस्थ होकर घर जा चुका है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में लेवल–3 एनएसयू के साथ–साथ 10 वेंटिलेटर, 12 सीपीएपी मशीनें, लैमिनर चैबर, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और केएमसी (कंगारू मदर केयर) यूनिट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं का भी बेहतर इलाज संभव हो पा रहा है।

डा. कपूर ने बताया कि अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के तहत नवजात शिशुओं का इलाज निःशुल्क किया जाता है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिलती है और उन्हें इलाज के लिए आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता।

उन्होंने यह भी बताया कि अस्पताल शहर से कुछ दूरी पर स्थित होने के बावजूद मरीजों की सुविधा के लिए 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है। जरूरत पड़ने पर मरीज एम्बुलेंस को कॉल कर सकते हैं और यह सेवा निशुल्क प्रदान की जाती है।

अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि राजेंद्र हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीजों को बेहतर और भरोसेमंद चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि क्षेत्र के लोगों को गंभीर इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 मार्च 2026 शुकवार

सम्पादकीय

बिहार में राजनीति का नया दौर

बिहार की राजनीति में एक बड़े युग का समापन होने जा रहा है। महज 105 दिन पहले 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले नीतीश कुमार का बिहार की सत्ता छोड़ना राज्य में पीढ़ीगत बदलाव का अंतिम चरण है। उनके इस फैसले ने न केवल जदयू के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं, बल्कि एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी–भाजपा के लिए बिहार की राजनीति के समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है।

बिहार के लंबे समय से मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने राज्यसभा का रास्ता पकड़ लिया है। उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है क्योंकि जनता दल यूनाइटेड के पास पर्याप्त विधायक संख्या है। इस फैसले ने पार्टी में भारी हलचल मचा दी है। कार्यकर्ता जगह–जगह प्रदर्शन कर रहे हैं और नितीश को ही मुख्यमंत्री बनाए रखने के नारे लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर सैकड़ों समर्थक इकट्ठा हो गए और उन्होंने साफ कहा कि नितीश के अलावा कोई स्वीकार्य नहीं। जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ताओं का गुस्सा सड़कों पर उतर आया है। पटना में मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया गया और हिलसा के विधायक को भी रोक लिया गया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कुछ लोग साजिश रच रहे हैं।पार्टी नेता विजय चौधरी ने कहा कि राज्यसभा जाने का फैसला नीतीश का अपना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की लेकिन हलचल थमने का नाम नहीं ले रही। एक तरफ युवा कार्यकर्ता निशांत कुमार के प्रवेश का स्वागत कर रहे हैं वहीं पुराने साथी नीतीश की विदाई से दुखी हैं।

नीतीश ने फेसबुक पर लिखा कि संसदीय जीवन से ही राज्यसभा सदस्य बनने की इच्छा थी। उन्होंने बिहारवासियों को भरोसा दिलाया कि विकसित बिहार बनाने का संकल्प कायम रहेगा और नई सरकार को पूरा सहयोग देंगे। कई लोग इसे बीजेपी की दबाव की राजनीति का नतीजा बता रहे हैं। गठबंधन में भाजपा की संख्या अधिक होने से नया मुख्यमंत्री उनका हो सकता है। सम्राट चौधरी या नित्यानंद राय जैसे नाम चर्चा में हैं। लेकिन दूसरा पहलू परिवार को मजबूत करने का लगता है। नीतीश की उम्र सत्तर पार कर चुकी है और स्वास्थ्य समस्याएं लगातार घेरे रहती हैं। मेदांता अस्पताल में रूटीन चेकअप की खबरें आती रहती हैं। ऐसे में इंजीनियर बेटे निशांत को बिहार राजनीति में स्थापित करने की तैयारी है। पार्टी नेता श्रवण कुमार ने कहा कि युवाओं की मांग पर निशांत का प्रवेश तय हो गया। एक–दो दिन में घोषणा होगी। निशांत को डिप्टी मुख्यमंत्री बनाने की चर्चा तेज है ताकि बिहार में जड़ें मजबूत हों। भाजपा नेता दिलीप जायसवाल ने भी नई पीढ़ी के प्रवेश का स्वागत किया।

नितीश के राज्यसभा जाने से बिहार की सियासत पूरी तरह बदल जाएगी। एनडीए में भाजपा का दबदबा बढ़ेगा और शायद पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री बने। जेडीयू का प्रभाव कम होगा लेकिन निशांत के नेतृत्व से नई ऊर्जा आएगी। विपक्षी दल जैसे राष्ट्रीय जनता दल को मौका मिलेगा। वे वंशवाद का आरोप लगाकर हमला बोलेंगे क्योंकि नीतीश हमेशा वंशवाद के खिलाफ रहे। लेकिन युवा मतदाता निशांत को स्वीकार कर सकते हैं क्योंकि वे शिक्षित और तकनीकी पृष्ठभूमि के हैं। केंद्र में नितीश की भूमिका मजबूत होगी। वे सामाजिक न्याय और विकास के मुद्दों पर बोल सकेंगे। बिहार को केंद्र से अधिक फंड मिलने की संभावना बढ़ेगी। लेकिन राज्य में अस्थिरता आ सकती है अगर कार्यकर्ताओं का विरोध बढ़ा। नया मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया तेज होगी।

भाजपा विधायक दल नेता सम्राट चौधरी मजबूत दावेदार हैं जिनके पास वित्त और गृह जैसे विभाग हैं। विजय चौधरी भी दौड़ में हैं। निशांत डिप्टी बनकर संतुलन बनाए रखेंगे। यह बदलाव लंबी रणनीति का हिस्सा लगता है। नितीश राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय रहेंगे जबकि बिहार में नई पीढ़ी सत्ता संभालेगी। कार्यकर्ताओं को मनाने के लिए पार्टी मंथन कर रही है। आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा कि बिहार की कुर्सी किसकी होगी।

युद्ध के बीच पेट्रोल, डीजल के दाम बढने की चुनौती

–नीरज कुमार दूबे–

भारत के पास वर्तमान में सीमित रणनीतिक भंडार है। अनुमान है कि कच्चे तेल का भंडार लगभग 17दृ18 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है, जबकि पेट्रोल और डीजल का स्टॉक करीब तीन सप्ताह तक चल सकता है। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो सरकार को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है।

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ा दी है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसका सीधा असर तेल आयात पर निर्भर देशों पर पड़ रहा है। इस बीच, दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में शामिल भारत ने संभावित आर्थिक झटके से निपटने के लिए तैयारी तेज कर दी है। हम आपको बता दें कि विशेष चिंता का विषय ँजतंपज वùिवतउन्र है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख समुद्री मार्ग है। खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाला बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आ सकता है। इसका असर भारत की आयात लागत, चालू खाता घाटे और महंगाई दर पर पड़ सकता है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने एहतियातन कई कदमों पर विचार शुरू कर दिया है। पेट्रोल और डीजल के निर्यात को सीमित करने की रणनीति तैयार की जा रही है ताकि घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। तेल विपणन कंपनियों को पर्याप्त भंडार बनाए रखने और जरूरत पड़ने पर आपूर्ति प्राथमिकता से घरेलू उपभोक्ताओं को देने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत के पास वर्तमान में सीमित रणनीतिक भंडार है। अनुमान है कि कच्चे तेल का भंडार लगभग 17दृ18 दिनों की जरूरत पूरी कर सकता है, जबकि पेट्रोल और डीजल का स्टॉक करीब तीन सप्ताह तक चल सकता है। यदि संकट लंबा खिंचता है, तो सरकार को वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है।

इसी दिशा में भारत ने रूस सहित अन्य देशों से अतिरिक्त कच्चा तेल आयात बढ़ाने के विकल्पों पर विचार किया है। बीते वर्षों में रूस से रियायती दरों पर तेल खरीद भारत के लिए लाभदायक साबित हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण इस संकट के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही स्च्ळ और स्छळ आपूर्ति भी चिंता का विषय है, क्योंकि भारत अपनी खपत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। यदि समुद्री परिवहन में व्यवधान आता है, तो घरेलू गैस वितरण पर दबाव बढ़ सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार घरेलू उत्पादन बढ़ाने और वैकल्पिक आपूर्ति शृंखलाओं को सक्रिय करने पर जोर दे रही है।

आर्थिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका असर महंगाई, परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ेगा। इससे विकास दर पर भी दबाव आ सकता है। हालांकि सरकार का दावा है कि वह बाजार की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर त्वरित हस्तक्षेप करेगी।

निर्यात क्षेत्र को भी संभावित जोखिमों के बारे में सतर्क किया गया है। परिवहन लागत में वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा से व्यापार प्रभावित हो सकता है। सरकार ने निर्यातकों को आश्वासन दिया है कि आवश्यक वित्तीय और नीतिगत समर्थन उपलब्ध कराया जाएगा।

कुल मिलाकर, मध्य पूर्व का यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक चुनौती बनता जा रहा है। भारत ने समय रहते रणनीतिक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, ताकि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रखा जा सके। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम यह तय करेंगे कि संकट कितना गहरा होता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका कितना व्यापक असर पड़ता है।

अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में भारी उथल–पुथल मचा दी है। इसका सीधा असर भारत के पेट्रोल–डीजल बाजार पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही तेल आपूर्ति पूरी तरह बाधित न हो, लेकिन बढ़ती लागत के कारण ईंधन की कीमतों में इजाफा लगभग तय नजर आ रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां संभावित घाटे को लेकर चिंतित हैं और कीमतें बढ़ाने के लिए सरकारी अनुमति का इंतजार कर रही हैं।

ब्रेंट क्रूड में तेज उछाल

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। केवल 24 घंटे में करीब नौ प्रतिशत और एक सप्ताह में लगभग 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों की लागत बढ़ा दी है। कुछ समय पहले तक जो कच्चा तेल 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास मिल रहा था, वह अब 80 डॉलर से ऊपर चला गया है।

मध्य पूर्व से दुनिया के कई देशों को तेल आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होती है। यदि इस मार्ग पर किसी प्रकार की बाधा आती है तो भारत सहित कई देशों को आपूर्ति संकट का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल भारत के पास लगभग ढाई महीने का कच्चे तेल का भंडार मौजूद है, लेकिन यदि संघर्ष लंबा चला तो स्थिति जटिल हो सकती है। वैकल्पिक बाजारों की तलाश

तेल कंपनियां अब मध्य पूर्व के अलावा अन्य क्षेत्रों से कच्चा तेल खरीदने के विकल्प तलाश रही हैं। वैश्विक स्तर पर हर रात नीलामी के माध्यम से खरीद प्रक्रिया चल रही है। हालांकि नई आपूर्ति के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। कंपनियां किसी भी स्थिति में आपूर्ति बनाए रखने की कोशिश में जुटी हैं।

अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से आयात लागत और बढ़ गई है। यदि पारंपरिक मार्गों के बजाय वैकल्पिक समुद्री रास्तों से तेल लाया जाता है तो शिपिंग कंपनियां अतिरिक्त प्रीमियम वसूल रही हैं। कई मामलों में भाड़ा डेढ़ गुना तक बढ़ चुका है, जिससे अंतिम लागत में भारी इजाफा हो रहा है। मौजूदा हालात में तेल निर्यातक देश 100 प्रतिशत अग्रिम भुगतान की शर्त पर ही सौदे कर रहे हैं। इससे भारतीय तेल कंपनियों पर पूंजी निवेश का दबाव बढ़ गया है और नकदी प्रवाह प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता बनी रही तो आने वाले हफ्तों में पेट्रोल–डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता। अब सबकी नजर सरकार की रणनीति और पश्चिम एशिया में युद्ध की दिशा पर टिकी है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हवा हवाई होती हवाई चप्पल वालों की हवाई यात्रा

–निर्मल रानी–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 में सूरत में पहली बार कहा था कि सरकार का लक्ष्य है कि 'हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा करे'। मोदी ने अक्टूबर 2025 में नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट उद्घाटन पर भी यही दोहराया कि 2014 से उनका सपना था कि 'हवाई चप्पल वाला भी हवाई सफर करे'। बेशक प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य गरीबों को हवाई यात्रा मुहैया कराने की सोच को दर्शाता है। इसी मकसद से 'उड़ान' योजना की शुरुआत की गयी थी।UDAN अर्थात उड़े देश का आम नागरिक। इस योजना का उद्देश्य छोटे शहरों, टियर–2 और टियर–3 इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ना और हवाई यात्रा को सस्ता बनाना था। आंकड़ों के मुताबिक 2014 में भारत में लगभग 74 सक्रिय हवाई अड्डे थे जिनकी संख्या 2026 के प्रारंभ तक बढ़कर 160–162 तक हो गयी। इनमें से 'उड़ान योजना' के अंतर्गत एयरपोर्ट, हेलीपोर्ट और वॉटर एयरोड्रोम सहित 93 हवाई अड्डे या तो नए विकसित किये गये या फिर उन्हें पुनर्जीवित किया गया। इनमें से अधिकांश नए या अपग्रेडेड हवाई अड्डे देश के अनेक छोटे शहरों में हैं। गोया कुल मिलाकर गत 10–12 वर्षों में 90 से अधिक नए अथवा सक्रिय हवाई अड्डे जोड़े गए हैं। बताया जा रहा है कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक देश भर में 400 से अधिक हवाई अड्डे बनाना है ताकि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई यात्रा कर सके अर्थात गरीबों का सस्ती हवाई यात्रा का सपना साकार किया जा सके।

परंतु पिछले दिनों देश के केवल एक ही राज्य उत्तर प्रदेश से प्राप्त खबरों के अनुसार 2021 के बाद श्उड़ान योजनाश के अंतर्गत शुरू किये गये 7 नए हवाई अड्डों में से 6 पर नियमित कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं। धार्मिक पर्यटन के चलते इस समय केवल अयोध्या स्थित महर्षि बाल्मीकि अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डा ही सक्रिय है। हालाँकि अयोध्या का यह हवाई अड्डा भी आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तो जरूर घोषित किया गया है परन्तु श अंतर्राष्ट्रीय श शब्द केवल नाम तक ही सीमित है। वास्तव में अयोध्या का यह महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्तमान में केवल भारत के भीतर सीमित घरेलू उड़ानें ही संचालित करता है और अभी तक किसी दूसरे देश के लिए यहाँ से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू नहीं हुई हैं। अलबत्ता यहाँ से संचालित कुछ स्वदेशी मार्गों जैसे कोलकाता, पटना आदि की उड़ानें भी अस्थायी रूप से बंद जरूर हो चुकी हैं। केवल उत्तर प्रदेश देश में जिन हवाई अड्डों से उड़ानों का संचालन फिलहाल बंद हो चुका है उनमें कुशीनगरइंटरनेशनल एयरपोर्ट, आजमगढ़ एयरपोर्ट,चित्रकूट एयरपोर्ट,श्रावस्ती एयरपोर्ट,मुरादाबाद एयरपोर्ट तथा अलीगढ़ एयरपोर्ट के नाम उल्लेखनीय हैं। इसी तरह पंजाब में पठानकोट व लुधियाना, सिक्किम में पेक्यांग,गुजरात के भावनगर, छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर,ओड़ीसा का राउरकेला,मध्य प्रदेश का दतिया, कर्नाटक का कलबुर्गी व हिमाचल के शिमला के हवाई अड्डों के बंद होने की खबरें हैं। सैकड़ों करोड़ की लागत से बनाये गये यह हवाई अड्डे कहीं कम पैसेंजर ट्रैफिक के कारण अर्थात यात्रियों की कमी के चलते बंद करने पड़े तो कहीं खराब दृश्यता , इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम की कमी या एयरलाइंस कंपनियों की संचालन में रुचि न होने के कारण बंद करने पड़े। कहीं पास के बड़े हवाई अड्डों के कारण यात्री न मिलने की वजह से बंद कर दिये गए तो कुछ तकनीकी व इंफ्रास्ट्रक्चर समस्याओं जैसे छोटे एयरपोर्ट पर हैंगर, फ्यूल , स्टाफ की कमी के कारण भी बंद हुये।

एक अनुमान के अनुसार UDAN के अंतर्गत बिना किसी उड़ान के ही इन 15 नॉन–ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स के रखरखाव और सिक्योरिटी पर पिछले 8 वर्षों में लगभग 878–900 करोड़ रूपये खर्च किये जा चुके हुए हैं जबकि कुल न्च।छ एयरपोर्ट्स के विकास पर 4,600 करोड़ से भी अधिक खर्च होने का अनुमान है। परन्तु सरकार को इससे कोई लाभ नहीं हुआ। इसी तरह एयर पोर्ट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया ।।ि के 81 एयरपोर्ट्स पर पिछले 10 वर्षों में 10,853 करोड़ के कुल घाटे का अनुमान है। कहना गलत नहीं होगा कि इससे योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या बंद होने वाले हवाई अड्डों या घाटे में चलने वाले हवाई अड्डों को शुरू करते समय या इनकी योजना बनाते वक्त क्या इस बात का सही आंकलन नहीं किया गया कि यह हवाई अड्डे भविष्य में सुचारु रूप से संचालित हो सकेंगे या नहीं ? क्या वजह है कि कल की यह लोकलुभावन योजनायें आज मात्र श्सफेद हाथी श बनकर रह गयी हैं ? एक सवाल यह भी है कि श्हवाई चप्पल वाले हवाई यात्रा करेंश जैसी लोकलुभावन बातें कर इस तरह की योजनायें केवल चुनावी लाभ लेने के कारण बनाई गयी थीं ? साथ ही एक सवाल यह भी कि जिस देश में रेल व बस जैसी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार की भारी जरूरत हो,जहां अभी तक ट्रेन में यात्रियों को समय पर आरक्षित सीटें उपलब्ध न हो पाती हों,हद तो यह है कि अनेक दूरगामी ट्रेन्स में पैर रखने,खड़े होने यहाँ तक कि यात्रियों के डिब्बों में घुस पाने तक की जगह न मिल पाती हो,जहां आज भी यात्री ट्रेन्स में लटककर और अपनी जान को जोखिम में डालकर यात्रा करने को मजबूर हों वहां इस तरह की शर्मसार कर देने वाली सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं में सुधार करने व इन्हें व्यवस्थित करने के बजाये ऐसे नये हवाई अड्डे बनाना जोकि शीघ्र ही बंद भी करने पड़ जायें,क्या ऐसा कदम जनता के पैसों की बर्बादी नहीं है ? इन सबके अतिरिक्त यह भी माना जा रहा है कि बिना जरुरत के नये हवाई अड्डे शुरू करने के पीछे का एक मकसद इनके संचालन से सत्ता के नजदीकी समझे जाने वाले उद्योगपतियों व कार्पोरेट्स को आर्थिक लाभ पहुंचाना भी है।

आधुनिक संदर्भों में पिता–पुत्र सम्बन्ध

–ललित गर्ग–

राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता–पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है। आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है–"पुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रः" अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मर्यादा और मूल्यों की रक्षा करता है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मर्यादा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि पिता–पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौड़ में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर, उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।

आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता–पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें–"तुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो?" यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरुआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मर्यादा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है।

भारतीय लोक–स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता–पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआय बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता–पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता–पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए–व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता–पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा–भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है।

पुत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए। सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता–पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है। पुत्र केवल परिवार की आशा नहीं, राष्ट्र की संभावना भी है।

सड़क हादसे में बाप और बेटे की दर्दनाक मौत, होली पर रिश्तेदार के यहां से लोट रहे थे दोनों

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में भीषण सड़क हादसा हो गया है। कोतवाली देहात क्षेत्र के बहराइच बलरामपुर बौद्ध परिपथ पर गुरुवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे भीषण सड़क हादसे में पिता–पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों होली पर अपने रिश्तेदार के घर गए थे। गुरुवार की सुबह वह दोनों अपने घर को लोट रहे थे। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

नगर कोतवाली क्षेत्र के खलवा मोहल्ला निवासी 24 वर्षीय सोनू मिश्रा पुत्र विमल मिश्रा और उनके 50 वर्षीय पिता विमल मिश्रा पुत्र तुकाराम बहराइच जिले के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र स्थित तेंदुआ कबीर गांव में होली की शाम(बुधवार को) अपने रिश्तेदार(साले पिंटू पाठक)के यहां गए हुए थे। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे घर से निकले। दोनों बाइक से वापस बलरामपुर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि देहात कोतवाली क्षेत्र में ओड़ाझार गांव के सामने बलरामपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलरामपुर भिजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात ट्रक और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है और पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। वहीं रायबरेली में ऊंचाहार थाना क्षेत्र में बीते बुधवार होली की रात एक सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत हो गई। क्षेत्र के गदागंज थाना क्षेत्र के लल्ली की चक्की के पास पूरे पवारन मजरे धूता निवासी फुद्दी लाल की सायकिल में बाईक सवार ने टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर गया। बताया जा रहा है। कि फुद्दी लाल बुधवार शाम को दूध की डेयरी से काम निपटाकर साइकिल से घर लौट रहे थे। तभी लल्ली की चक्की के पास सामने से आ रही अनियंत्रित बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर कर घायल हो गया। जानकारी के बाद परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सको ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया।

11 हजार वोल्ट तार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, तीन रिहायशी झोपड़ियां जलकर राख

संवाददाता–देवरिया। खामपार थाना क्षेत्र के कुकुर घाटी के टोला विशंभरपुर में गुरुवार की दोपहर 11 हजार वोल्ट के बिजली तार में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और तीन रिहायशी झोपड़ियां जलकर राख हो गई। आग में घरों में रखा खेती–किसानी और गृहस्थी का सामान भी जलकर नष्ट हो गया।

बताया जाता है कि गांव के ऊपर से 11 हजार वोल्ट का बिजली तार गुजर रहा है। गुरुवार को अचानक तार में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली और आग लग गई। आग ने विशंभरपुर टोला निवासी श्रीनारायण कुशवाहा, हीरा कुशवाहा और यदुनंदन कुशवाहा के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में झोपड़ियां धू–धू कर जलने लगीं।

ग्रामीणों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना देकर लाइन कटवाई और खुद ही आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक तीनों झोपड़ियां और उनमें रखा सारा सामान जलकर राख हो चुका था। घटना की सूचना के बावजूद समय पर दमकल के नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में नाराजगी जताई । भाजपा नेता अरविंद सहाय ने बताया कि गांव में गुजर रहा 11 हजार वोल्ट का तार काफी समय से ढीला होकर लटक रहा है। इसकी शिकायत ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग से की थी, लेकिन विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हो गया।

घटना की जानकारी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को दे दी गई है। राजस्व विभाग की टीम से मौके पर पहुंचकर क्षति का विस्तृत आकलन करने और रिपोर्ट तैयार करने की अपेक्षा की जा रही है, ताकि पीड़ितों को सहायता प्रदान की जा सके।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट, 6 घायल

संवाददाता–देवरिया। भलुअनी थाना क्षेत्र के गड़ेर में बुधवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इस घटना में दोनों तरफ से आधा दर्जन लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां से एक की हालत गंभीर होने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, 2 मार्च की रात होलिका दहन के दौरान दो लोगों के बीच कहासुनी हुई थी, जो हाथापाई तक पहुंच गई। इसकी सूचना गड़ेर चौराहे पर मौजूद हल्का दरोगा को दी गई थी, लेकिन पुलिस ने तब गंभीरता नहीं दिखाई। बुधवार को होली खेलने के दौरान दोनों पक्ष एक बार फिर आमने–सामने आ गए। कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठियां चलीं। बताया जा रहा है कि एक पक्ष ने धारदार हथियारों का भी इस्तेमाल किया। मारपीट में एक पक्ष से श्रवण कुमार (30) पुत्र रामधनी गोड़ और धन्नंजय गौड़ (26) पुत्र रामधनी गौड़ घायल हुए। वहीं, दूसरे पक्ष से रविंद्र गुप्ता (56) पुत्र जोखू और निगम (50) पुत्र लच्छू को चोटें आईं। इसके अलावा, प्रदीप (26) और भोला (24) पुत्र श्यामबिहारी भी घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल श्रवण कुमार का इलाज गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में और प्रदीप का इलाज देवरिया मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। कोल्हुई क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग जोगियाबारी गांव के पास गुरुवार को हुए एक हादसे में एक शख्स की जान चली गई। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को पीछे से रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए थे। लोटन कोतवाली क्षेत्र के अमहट गांव निवासी बृजेश मौर्या (25) गुरुवार दोपहर को बाइक से हाईवे से गुजर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पने लगा।

युवक का सिर रोड के डिवाइडर से बुरी तरह टकरा गया था। घटना के बाद आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। एंबुलेंस बुलाया औार पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के जेब मे मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान करके परिजनों को सूचना दी। युवक के बचे होने की उम्मीद में उसे सीएचसी पहुंचाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसओ अखिलेश सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई होगी।

नव दिवसीय अखण्ड रुद्र महापारायण अनुष्ठान का हुआ समाप्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पावन नगरी अयोध्या के रामकोट मोहल्ले स्थित राम कचेहरी चारों धाम मंदिर परिसर में सहस्त्र लिंगम रामेश्वर भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित नवदिवसीय रुद्र महापारायण अनुष्ठान का समापन होली के पावन अवसर पर वैदिक विधि–विधान के साथ संपन्न हो गया। इस अवसर पर हवन–पूजन, अखंड मंत्रोच्चार और संत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें रामनगरी के विभिन्न आश्रमों से पधारे संत–महात्माओं का अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्मभूमि से लगभग सौ मीटर की दूरी पर स्थित इस प्राचीन एवं आध्यात्मिक महत्व से परिपूर्ण मंदिर परिसर में एक वर्ष पूर्व आंध्र प्रदेश के श्रद्धालु के. श्रीनिवास राव के सहयोग से दक्षिण भारत से लाए गए सहस्त्र लिंगम रामेश्वर भगवान शिव की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई थी। इस वर्षपूर्ति के अवसर पर आयोजित विशेष अनुष्ठान ने संपूर्ण मंदिर परिसर को भक्ति, श्रद्धा और वैदिक ऊर्जा से आलोकित कर दिया।

मंदिर के पीठाधीश्वर महंत शशिकांत दास महाराज ने बताया कि यह पावन स्थल स्वामी अंबर दास जी महाराज की तपोस्थली रहा है। उनके तप, त्याग और भगवान शिव की अनुकंपा से ही यहां सहस्त्र लिंगम रामेश्वर भगवान की स्थापना संभव हो सकी। उन्होंने बताया कि नौ दिनों तक चौबीसों घंटे रुद्राष्टाध्यायी का अखंड पाठ तथा सहस्त्र लिंगम का निरंतर जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक होता रहा, जिससे वातावरण निरंतर शिवमय बना रहा।अनुष्ठान की शुरुआत एक मार्च को विधिवत कलश पूजन के साथ हुई। इसके बाद प्रतिदिन वैदिक आचार्यों द्वारा रुद्राष्टाध्यायी पाठ, अभिषेक और विभिन्न वैदिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। चार मार्च को विधिपूर्वक हवन–पूजन का आयोजन हुआ, जबकि पांच मार्च को संत सम्मान समारोह और नवदीप प्रज्वलन के साथ इस भव्य धार्मिक आयोजन का समापन किया गया।

नव दिनों तक सहस्त्र लिंगम रामेश्वर भगवान शिव किया गया अखंड अभिषेक

आंध्र प्रदेश से पधारे श्रद्धालु के. श्रीनिवास राव ने बताया कि महंत शशिकांत दास जी महाराज के निर्देशन में आंध्र प्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रांतों से आए 215 से अधिक वैदिक आचार्यों और श्रद्धालुओं ने क्रमवार रुद्राष्टाध्यायी पाठ और सहस्त्र लिंगम अभिषेक में भागीदारी निभाई। होली के उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न इस आयोजन ने श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिक चेतना के सूत्र में बांध दिया।अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर में पहुंचते रहे। वैदिक मंत्रों की गूंज, धूप–दीप की सुगंध और अभिषेक की पावन धारा ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। गुरुवार को आयोजित संत सम्मान समारोह में रामनगरी के विभिन्न आश्रमों से पधारे संत–महात्माओं का विधिवत स्वागत और अभिनंदन किया गया।

कार व बुलेट की भिड़ंत, नहर में गिरी कार, दो गंभीर

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा कस्बे में गुरुवार को एक हादसा हो गया। एक कार व बुलेट बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कार नहर में गिर गई। कार चालक व कार सवार शख्स गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को नहर से निकलवाकर अपने कब्जे में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई थी। बताया जा रहा है कि कार सवार नेवासपोखर की ओर से पनियरा जा रहे थे। इसी बीच दयाशंकर व विजय शंकर निवासी नेवासपोखर बुलेट बाइक से बड़वार से अपने घर जा रहे थे।

पनियरा–बड़वार नहर पर कार व बुलेट बाइक में भिड़ंत हो गई। इससे बाइक सवार युवक मौके पर गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों के सहयोग से दोनों घायलों को पनियरा में स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए पहुंचाया गया, जहां उनकी गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह ने बताया कि दो लोग घायल हुए हैं। कार को थाने लाया गया है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई होगी।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, 10 लोग घायल, थाने के दीवान पर मिलीभगत का गंभीर आरोप

संवाददाता–गोंडा। जिले के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के कुम्हडौरा में गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे के करीब मोहनलाल और मनजीत गोस्वामी गुटों के बीच पुराने जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हो गया। इस झड़प में दोनों पक्षों के 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। संघर्ष के दौरान लाठी–डंडों और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया है।

सूचना मिलने पर करनैलगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मोहनलाल की तहरीर पर मनजीत गोस्वामी, अमित गोस्वामी, राजेश गोस्वामी, मयंक, ननकई देवी, दिलीप कुमार सहित 15 से 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट और हमले का मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहनलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गुरुवार दोपहर 1:30 बजे वह अपने परिवार के साथ घर के दरवाजे पर बैठे थे। तभी मनजीत गोस्वामी, अमित गोस्वामी (भवानी प्रसाद के पुत्र), राजेश गोस्वामी (श्याम लगन के पुत्र), मयंक (बांकेलाल के पुत्र), ननकऊ देवी (रामसेवक की पत्नी), दिलीप कुमार (अमेरिका के पुत्र) और उनके साथ आए 15–20 अज्ञात लोगों ने लाठी–डंडों, हॉकी, लोहे की रॉड और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें घर में खींचकर पीटा। इस हमले में रवि, विनोद, खुशबू, प्रियांशी, प्रियांशु और मुरली गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस मामले में एक चौंकाने वाला आरोप भी सामने आया है। पीड़ित मोहनलाल ने लिखित शिकायत में कहा है कि इस पूरी साजिश में थाने के दीवान राम सजीवन मौर्य की मिलीभगत है।

उनका आरोप है कि दीवान पिछले कई दिनों से उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे थे और आज की घटना में भी वे हमलावरों के साथ मिले हुए थे।करनैलगंज कोतवाल नरेंद्र प्रताप राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर पूरे मामले की जांच की जा रही है।

एसपी आवास पर पुलिसकर्मियों ने खेली कपड़ा फाड़ होली

संवाददाता–देवरिया। एसपी आवास पर गुरुवार को होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एसपी संजीव सुमन की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसपी संजीव सुमन ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को अबीर–गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। आवास परिसर में दमकल की गाड़ी लगाकर रंगों की फुहार छोड़ी गई, जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारी सराबोर हो गए। डीजे की धुन पर पुलिसकर्मी झूमते और होली के गीतों पर नृत्य करते दिखे।

इनके अतिरिक्त, समस्त थाना प्रभारी, शाखा प्रभारी, पुलिस कार्यालय एवं पुलिस लाइन के अधिकारी व कर्मचारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने सामूहिक रूप से होली खेलकर आपसी सौहार्द का संदेश दिया। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा एवं अनुशासन का भी ध्यान रखा गया, और यह पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जिले के विभिन्न थानों में भी होली का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया। रुद्रपुर कोतवाली परिसर में पुलिसकर्मियों ने पारंपरिक अंदाज में होली खेली और डीजे की धुन पर धमाल मचाया। मदनपुर थाने में भी पुलिसकर्मी रंगों में सराबोर होकर नृत्य करते नजर आए, जबकि सदर कोतवाली में जवानों ने एक–दूसरे पर रंग और गुलाल डालकर पर्व की खुशियां साझा कीं। इस आयोजन में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय, अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी सुनील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर संजय रेड्डी, क्षेत्राधिकारी सलेमपुर मनोज कुमार सहित क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी, रुद्रपुर और बरहज उपस्थित रहे।

भारत–नेपाल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आगाज

संवाददाता–महराजगंज। । ठूठीबारी के टोला धर्मौली स्थित मनरेगा खेल मैदान में गुरुवार को भारत–नेपाल वॉलीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत और नेपाल की कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में सेक्रेट हार्ट हाई स्कूल के प्रबंधक विपेश त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में ठूठीबारी और टडहवा की टीमें आमने–सामने थीं। तीन सेटों के इस रोमांचक मैच में ठूठीबारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो सेट जीतकर टडहवा को पराजित किया। इसके बाद, चौक बाजार और बरगदवा के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें बरगदवा ने दो सेट जीतकर जीत दर्ज की। तीसरे मैच में मर्यादपुर और खड्डा की टीमों के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें खड्डा ने लगातार दो सेट जीतकर मर्यादपुर को हराया। चौथे मैच में धर्मौली और लक्ष्मीपुर की टीमों का मुकाबला हुआ, जिसमें धर्मौली ने लगातार दो सेट जीतकर शानदार जीत हासिल की। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला क्वार्टर फाइनल में ठूठीबारी और बरगदवा के बीच खेला गया। इस मैच में ठूठीबारी की टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन सेटों में से दो सेट जीतकर बरगदवा को पराजित किया और अगले दौर में अपनी जगह पक्की की। मैदान में मौजूद दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। मुकाबलों में आलोक थापा और राजेश यादव ने रेफरी की भूमिका निभाई।

गेम में हार के बाद युवक की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के श्रीरामपुर थाना क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव भवानी छापर बाजार स्थित उसके किराये के मकान में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सार्थक सिंह (20) के रूप में हुई है। उसके पिता जयदीप सिंह बिहार के जगदीशपुर कोठी में शिक्षक हैं। सार्थक अपने परिवार के साथ श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के भवानी छापर बाजार में किराये के मकान में रह रहा था। गुरुवार सुबह सार्थक अपने कमरे में लैपटॉप पर गेम खेल रहा था। परिजनों के अनुसार, गेम में हारने के बाद वह तनाव में दिख रहा था। दोपहर में वह अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद जब परिजन कमरे में पहुंचे, तो सार्थक फंदे से लटका मिला। परिजन उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने युवक का मोबाइल फोन कब्जे में लिया, जिसमें ऑनलाइन गेम पाया गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद से परिवार गहरे सदमे में है, और परिजन इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. एच.के. मिश्रा ने इस संबंध में कहा कि युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग का दबाव और हार–जीत की भावना मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है।

अबू धाबी से सकुशल लौटे दशरथ महल के महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य हुआ स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।रामनगरी अयोध्या स्थित दशरथ महल बड़ा स्थान के पीठाधीश्वर महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज विदेश प्रवास से सकुशल लौट आए हैं। अबू धाबी से अयोध्या पहुंचने पर महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर संत–महंतों और श्रद्धालुओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया ।पुष्पमालाओं और जयघोष के बीच संत समाज ने उनके सुरक्षित लौटने पर प्रसन्नता व्यक्त की ।एयरपोर्ट पर स्वागत करने वालों में पूर्व कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जनमेजय शरण तथा हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास सहित अनेक संत–महंत और अनुयायी मौजूद रहे। सभी ने महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया।

जानकारी के अनुसार महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य 27 फरवरी को अबू धाबी स्थित स्वामीनारायण हिंदू मंदिर में दर्शन–पूजन के लिए गए थे। इसी दौरान मध्य–पूर्व क्षेत्र में बढ़े तनाव के कारण खाड़ी देशों की हवाई सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हो गईं, जिससे 3 मार्च को प्रस्तावित उनकी भारत वापसी टल गई। परिणामस्वरूप उन्हें लगभग एक सप्ताह तक वहीं ठहरना पड़ा।महंत के विदेश में रुक जाने की सूचना मिलने पर अयोध्या समेत देशभर में उनके शिष्यों और संत समाज में चिंता का माहौल बन गया था। उनकी कुशलता और शीघ्र वापसी की कामना को लेकर कई मंदिरों और आश्रमों में विशेष पूजा–अर्चना तथा प्रार्थनाएं भी की गईं।स्थिति सामान्य होने पर 4 मार्च से हवाई सेवाएं पुनः बहाल हुईं, जिसके बाद महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य भारत के लिए रवाना हुए और सकुशल अयोध्या पहुंच गए। उनके आगमन पर एयरपोर्ट परिसर संतों और श्रद्धालुओं के जयघोष से गूंज उठा।

श्री महाराज जी के शिष्य मंगल पीठाधीश्वर जगतगुरु कृपालु राम भूषण दास महाराज ने बताया कि महंत देवेंद्रप्रसादाचार्य अपने कुछ शिष्यों के निमंत्रण पर अबू धाबी गए थे, जहां उन्होंने स्वामीनारायण मंदिर में विधिवत दर्शन–पूजन किया। उन्होंने बताया कि होली से पूर्व 3 मार्च को उनकी वापसी निर्धारित थी, किंतु ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के चलते उड़ानें रद्द हो गईं। बाद में सेवाएं शुरू होने पर वे सकुशल अयोध्या लौट आए, जिस पर संत समाज ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका स्वागत किया।

लापता युवक का कुएं में मिला शव

संवाददाता–बहराइच। हुजूरपुर इलाके में एक कुएं से दो दिन से लापता युवक का शव मिला है।

युवक गोंडा जनपद के कटरा थाना क्षेत्र का निवासी था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कटरा थाना क्षेत्र का रहने वाला ऋषभ नामक युवक दो दिन पहले होली खेलने के लिए अपने घर से निकला था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों ने स्थानीय थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

गुरुवार सुबह बहराइच के हुजूरपुर थाना क्षेत्र स्थित भगड़वा बाजार के पास एक कुएं में ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकाला। युवक मृत अवस्था में पाया गया।

मृतक की पहचान ऋषभ के रूप में होने के बाद उसके परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ऋषभ श्रावस्ती से बहराइच कैसे पहुंचा।

हुजूरपुर थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

शादीशुदा गर्लफ्रेंड की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर युवक ने की हत्या, जंगल में फेंका शव

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां में तीन मार्च को जंगल में क्षत–विक्षत अवस्था में मिली महिला के शव के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग और पैसों के विवाद में महिला की हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया कि मृतका के पति संतोष मिश्रा की तहरीर पर थाना मल्हीपुर में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के बाद आरोपी सूरज वर्मा निवासी भवनिया, थाना मल्हीपुर को गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि 19 फरवरी 2026 को संतोष मिश्रा ने अपनी पत्नी आंचल मिश्रा उर्फ अन्ती मिश्रा के लापता होने की सूचना थाना मल्हीपुर में दर्ज कराई थी। जांच के दौरान मोबाइल लोकेशन और अन्य साक्ष्यों के आधार पर 3 मार्च 2026 को थाना क्षेत्र के ककरदरी जंगल से महिला का क्षत–विक्षत शव बरामद किया गया। मौके से महिला की साड़ी, जूता और पर्स मिला। बरामद सामान पुष्टि पति संतोष की। वहीं, अवशेष मिलने से हत्या की आशंका जताई गई। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के मुताबिक आरोपी सूरज वर्मा का मृतका से पिछले तीन–चार महीनों से मोबाइल के जरिए संपर्क था और दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतका उस पर पैसों की मांग को लेकर दबाव बना रही थी और शिकायत करने की धमकी दे रही थी। इसी बात को लेकर 17 फरवरी 2026 को दोनों के बीच विवाद हुआ। गुस्से में आकर आरोपी ने आंचल की हत्या कर शव को जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने आरोपी को राप्ती बैराज के पास ग्राम लक्ष्मनपुर कोठी के समीप से गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ पूर्व में भी छेड़छाड़, चोरी, आर्म्स एक्ट और गुंडा नियंत्रण अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी टीम में थाना मल्हीपुर के प्रभारी निरीक्षक महेन्द्र कुमार सिंह, उपनिरीक्षक योगेन्द्र बाबू, उपनिरीक्षक चन्द्रोदय मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

आमने–सामने भिड़ीं दो बाइकें दीवान की मौत, तीन घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के रामजानकी मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा टांडा गांव के पास गुरुवार की सुबह दो बाइकों की आमने–सामने हुई जोरदार भिड़ंत में बिजली थाने के एक दीवान की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और आसपास के लोग बड़ी संख्या में जुट गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर बाजार पहुंचाया गया, वहां डॉक्टरों ने दीवान को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

धनघटा थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी जनार्दन यादव पुत्र रामवृक्ष यादव अपनी बाइक से लोहरैया की ओर से जा रहे थे। वह रामजानकी मार्ग पर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा टांडा के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही बाइक पर सवार तीन लोग अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकों पर सवार लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को जानकारी देने के साथ ही एंबुलेंस बुलाकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर बाजार भेजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जनार्दन यादव को मृत घोषित कर दिया। जनार्दन यादव सिद्धार्थनगर जनपद में विद्युत थाना में दीवान के पद पर तैनात थे और बाजार से सामान लेकर लौट रहे थे, तभी यह दर्दनाक हादसा हो गया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता रामवृक्ष यादव, पत्नी शोभा देवी, बेटा सौरभ और बेटी श्वेता का रो–रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

बेसहारा पशुओं के लिए कान्हा गौशाला का शुभारंभ

संवाददाता–संतकबीरनगर। आदर्श नगर पंचायत मेंहदावल क्षेत्र में कान्हा गौशाला का शुभारंभ किया गया। प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल और भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी ने विधि–विधान से पूजन–अर्चन कर गौशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गो पूजा भी संपन्न हुई। महेश शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार गो संरक्षण और संवर्धन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रदेशभर में बेसहारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय स्थलों का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गोवंश की सेवा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज की भी सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष सर्वेश त्रिपाठी ने लोगों से अपील की कि वे जन्मदिन और पुण्यतिथि जैसे आयोजनों को गौशालाओं में आकर गौ सेवा के रूप में मनाएं, क्योंकि सनातन धर्म में इसे पुण्य कार्य माना गया है। सुंदर और संसाधनयुक्त गौशाला के निर्माण को एक सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र के बेसहारा पशुओं को सुरक्षित एवं बेहतर वातावरण में आश्रय मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की सराहना करते हुए कहा कि इस सरकार ने पहली बार बेजुबान पशुओं के संरक्षण को प्राथमिकता देकर एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने यह भी बताया कि नगर गौशाला में आने वाले सभी निराश्रित गोवंशों की पूरी देखभाल की जाएगी। उनका लक्ष्य इसे प्रदेश का मॉडल गौशाला बनाना है। इस दौरान अजीत सिंह, निखिल तिवारी, मनोज पांडेय, जितेंद्र तिवारी, सभासद संदीप तिवारी, देवव्रत निषाद, अमरेंद्र शर्मा और शिवम त्रिपाठी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे मे एमबीबीएस छात्र की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चार फाटक ओवरब्रिज पर बुधवार की रात नशे में धुत प्रापर्टी डीलर की तेज रफ्तार फार्च्यूनर की चपेट में बीआरडी मेडिकल कालेज के एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र आकाश पांडेय समेत तीन लोग चपेट में आ गए। रांग साइड से आ रही फार्च्यूनर की टक्कर इतनी जोरदार थी कि आकाश पांडेय ओवरब्रिज की रेलिंग में फंसकर लटक गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। शव करीब 30 मिनट बाद नीचे उतारा गया। दूसरा स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल है। आरोपित गोल्डन साहनी कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का करीबी बताया जा रहा है, जो होली के दिन ही मंत्री के कार्यालय पहुंचा था। शाहपुर पुलिस ने आरोपित गिरफ्तार कर उसकी फार्च्यूनर को कब्जे में ले लिया है। बुधवार रात करीब 9:10 बजे कौआबाग की तरफ से आ रही तेज रफ्तार फार्च्यूनर (यूपी 53 एटी 2979) रांग साइड से ओवरब्रिज पर चढ़ आई। पहले उसने शाहपुर के जेल रोड तिराहा निवासी उमेश शर्मा की स्कूटी में टक्कर मारी, जिससे वह घायल हो गए। इसके बाद कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार एमबीबीएस छात्र संतकबीरनगर जिले के धर्मसिन्हवा थाना के बरगदवा माफी

गांव में रहने वाले आकाश पांडेय को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आकाश ओवरब्रिज की रेलिंग में जा फंसे। टक्कर के बाद आरोपित गाड़ी लेकर मोहद्दीपुर–पैडलेगंज के रास्त नौसढ़ चला गया। पेट्रोल पंप के पास अपनी गाड़ी खड़ी कर घर चला गया। हादसे की जानकारी आसपास के लोगों व राहगीरों ने पुलिस को दी। एसबीबीएस छात्र की मिलते ही जिला अस्पताल की मोर्चरी पर एमबीबीएस के छात्रों और डाक्टरों की भीड़ लग गई। सीसी कैमरा फुटेज की मदद से पुलिस ने गोल्डेन की पहचान कर देर रात उसे बाघागाड़ा स्थित घर से गिरफ्तार करने के साथ ही गाड़ी को कब्जे में ले लिया। पुलिस की माने तो गोल्डेन शराब के नशे में धुत था। जानकारी के मुताबिक, गोल्डी कैबिनेट मंत्री संजय निषाद का करीबी है और होली के दिन ही वह पादरी बाजार स्थित मंत्री के कार्यालय पर पहुंचा था। यह प्रापर्टी डीलिंग में दबंगई के लिए जाना जाता है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। दूसरे घायल की स्थिति खतरे से बाहर है। किसान देवेंद्र नाथ पांडेय का इकलौता बेटा था आकाश। उसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी है। नवंबर में वह बहन की शादी में गांव गया था। होली के दिन सुबह उसने पिता से फोन पर बात की थी। रात 7:30 बजे मां लीलावती से बात हुई थी। मां ने पूछा था– बेटा होली में गांव क्यों नहीं आए? तो आकाश ने कहा था– मां, अगले साल होली में गांव रहूंगा और आप सबके साथ होली खेलूंगा। मां आज दहाड़ मारकर रो रही हैं और बार–बार बेहोश हो रही हैं।

होली विवादः पुलिस पर पिटाई का आरोप, दो अधिकारी लाइन हाजिर

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। होली के दौरान रंग फेंकने को लेकर हुए विवाद के बाद पुलिस पर क्षेत्र पंचायत सदस्य की पिटाई का आरोप लगने से बुधवार रात देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण गोल्हौरा थाने पर पहुंच गए और नाराजगी जताने लगे। मामला पुलिस अधीक्षक तक पहुंचने पर उपनिरीक्षक व मुख्य आरक्षी को लाइन हाजिर कर दिया गया। गोल्हौरा थाना क्षेत्र के सेहरी चौराहे पर होली के दिन मिश्रौलिया थाना क्षेत्र निवासी अशफाक और इम्तियाज बाइक से इटवा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन पर रंग पड़ने को लेकर कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। सूचना पर कठेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को शांत कराया। बाद में कंट्रोल कक्ष को सूचना दी गई कि घटना गोल्हौरा थाना क्षेत्र की है। कुछ देर बाद गोल्हौरा थानाध्यक्ष रामदेव मय पुलिस बल मौके पर पहुंचे और क्षेत्र पंचायत सदस्य चंदन सिंह सहित आठ लोगों को पकड़कर थाने ले आए। इसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण भी थाने पर पहुंच गए। आरोप है कि पुलिस ने क्षेत्र पंचायत सदस्य चंदन सिंह की पिटाई कर दी। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी इंटरनेट माध्यम पर प्रसारित होने लगा, जिसमें कुछ ग्रामीण पुलिस पर निर्दोष लोगों को पकड़कर थाने लाने तथा धन लेने का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी उच्च अधिकारियों से शिकायत की। शिकायत के बाद पुलिस अधीक्षक डा.अभिषेक महाजन के निर्देश पर उपनिरीक्षक सुधीर कुमार राय और मुख्य आरक्षी जितेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया। थानाध्यक्ष रामदेव ने बताया कि रंग फेंकने को लेकर विवाद हुआ था। क्षेत्र पंचायत सदस्य चंदन सिंह की तहरीर पर दूसरे पक्ष के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है।

कमजोर को उजाड़ने वाले किसी सूरत में बख्शे न जाएं, सीएम योगी की अधिकारियों को नसीहत

संवाददाता–गोरखपुर। जनता के साथ बुधवार दिनभर होली की खुशियां साझा करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की। ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदनशील तरीके से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 150

लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध करा कराया जाए।

धूमधाम से मनाई गई होली

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में 4 और 5 मार्च को होली का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। शहर से लेकर गांवों तक रंग–गुलाल की बौछार हुई, वहीं कई स्थानों पर युवाओं ने परंपरागत श्कपड़ा फाड़ होलीश खेली। डीजे की धुन पर झूमते लोगों ने इस जश्न को यादगार बना दिया। 5 मार्च, गुरुवार को सिद्धार्थनगर स्थित रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों ने धूमधाम से होली मनाई। पुलिस अधिकारी और जवान एक–दूसरे को रंग–गुलाल लगाते और डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। इस दौरान फायर ब्रिगेड के टैंक से पानी की बौछार भी की गई, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

डुमरियागंज कस्बे में श्कपड़ा फाड़ होलीश का अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां हजारों की संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और एक–दूसरे को रंग लगाते हुए इस परंपरा का निर्वहन किया। रंग और गुलाल से सराबोर युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर पूरे कस्बे में घूमती और नाचती रहीं। इसी दौरान डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने भी होली के अवसर पर रोड शो निकाला। वह अपनी गाड़ी की सनरूफ पर खड़े होकर लोगों का अभिवादन करते दिखे और उन पर गुलाल व अबीर की वर्षा की। बड़ी संख्या में लोगों ने भी उन्हें रंग लगाकर बधाई दी। सिद्धार्थनगर मुख्यालय के सिद्धार्थ चौराहे पर भी होली का रंग खास तौर पर चढ़ा। यहां नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव अपने समर्थकों के साथ होली खेलते नजर आए। लोगों ने एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाया, गले मिलकर शुभकामनाएं दीं और श्कपड़ा फाड़ होलीश की परंपरा भी निभाई।

होली पर सरयू स्नान को गए 2 किशोर की मौत, एक को ग्रामीणों ने डूबने से बचाया

संवाददाता–अयोध्या। होली पर दुखद खबर सामने आई है। यहां होली पर बुधवार को दूसरी पहर सरयू स्नान को गए तीन किशोर अचानक डूबने लगे। हल्ला गुहार पर स्थानीय लोगों ने डूब रहे एक किशोर को सकुशल बचा लिया लेकिन हादसे में डूबने से दो किशोर की मौत हो गई। किशोरों की मौत कि खबर से उनके परिवार में कोहराम मच गया है। रौनाही थाना क्षेत्र के मुबारकगंज निवासी तीन किशोर होली का रंग खेलने के बाद स्नान के लिए अपने घर से थोड़ी दूर सरयू के कलाफरपुर घाट गए थे। स्नान के दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे तो आपस में एक दूसरे को बचाने की कवायद शुरू हुई। कवायद सफल न होने पर चीख पुकार और हल्ला गुहार पर आसपास मौजूद ग्रामीणों दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने देखा कि तीनों किशोर डूब रहे। ग्रामीणों ने बिना देरी किए सरयू नदी में डूब रहे एक किशोर को सकुशल बाहर निकाल लिया। लेकिन ग्रामीण दो किशारों को नहीं बचा पाए। इस दौरान दो किशोर की नदी के पानी में डूबने के कारण मौत हो गई। डूब कर मरने वाले किशोरों की पहचान पहचान मुबारकगंज गांव निवासी राज सैनी और सुमित कोरी के रूप में हुई है। किशोरों के मौत की जानकारी उनके घर वालों को दी गई। होली के दिन किशोर की मौत से घर में कोहराम मच गया । होली की खुशियां मातम में बदल गईं। परिवार वालों का रो–रोकर बुरा हाल है। मरने वाले किशोरों के पूरे गांव में शोक की लहर है। रौनाही थाना प्रभारी लालचंद सरोज ने बताया कि जानकारी पर बचाव कार्य शुरू किया गया। ग्रामीणों की मदद से एक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि अन्य दो किशोर की तलाश में समय लगा। तलाश पूरी होने के बाद दोनों को सीएचसी भेजवाया गया,जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

दो दिन में दो हत्या! लूट के बाद बेरहमी से उतारा मौत के घाट, फावड़े से कई वार

संवाददाता–अंबेडकरनगर। कोतवाली टांडा क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों ने दो दिन में दो नृशंस हत्याएं व लूट की घटना पुलिस प्रशासन को चुनौती दिया है। घटना की पूर्व संध्या पर डीआईजी अयोध्या, एसपी द्वारा कोतवाली टांडा क्षेत्र में फ्लैगमार्च भी काम नहीं आया। कोतवाली टांडा पुलिस अपराध पंजीकृत कर हत्यारों के तलाश में जुटी है। टांडा नगर के फर्नीचर व्यवसायी व समाजसेवी सुरेन्द्र मांझी पुत्र राम गोपाल मांझी कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम जनार्दनपुर में एक पगडंडी के किनारे लहुलुहान हालत में पड़े थे उनके चेहरे व सिर पर धारदार हथियार ध्फावड़े से हमला कर गंभीर रूप से घायल करते हुए उनकी सोने की दो चौन, अंगूठी, मोबाइल व एक लाख से अधिक की नगदी को अज्ञात लुटेरों द्वारा लूट लिया गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस व ग्रामीणों की मदद से उन्हें मेडिकल कालेज सद्दरपुर भेजवाया गया जहां चिकित्सक ने मृतक घोषित कर दिया ।सुरेन्द्र मांझी के मृत्यु की खबर जंगल में आग की तरह फैल गयी और चन्द समय में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में हजारों की भीड़ जमा हो गयी सभी की आंखे नम थी। मेडिकल कालेज पुलिस चौकी प्रभारी द्वारा मेमो के आधार पर ही शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फर्नीचर व्यवसायी व समाजसेवी सुरेन्द्र मांझी (50 वर्ष) की हत्या से प्रशासन भी बौखला उठा क्योंकि मृतक केवल व्यवसायी व समाजसेवी ही नहीं था ब्लकि टांडा नगर के प्राइवेट गोताखोर टीम का कैप्टन भी था उसकी टीम का प्रशासन को काफी सहयोग रहता था। अपने जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में सुरेन्द्र मांझी की टीम बिना किसी शुल्क के डूबे हुए शवों को निकालने का कार्य करती है। होली की पूर्व संध्या पर सुरेन्द्र मांझी की हत्या से प्रशासन सकते मे आ गया और किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए टांडा नगर मे भारी पुलिस बल तैनात करते हुए रात्रि में ही पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर, अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार पोस्टमार्टम हाउस पहुचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधवाया और अतिशीघ्र हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। परिजनों की तहरीर पर अभियोग पंजीकृत किया गया तथा घटना के खुलासे के लिए तीन टीम में गठित की गई है जो कैमरा देखकर सर्विलांस की मदद से घटना का अनावरण करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने मृतक के मोबाइल फोन काल रिकार्ड के आधार पर एक महिला समेत कुछ लोगों से पूछताछ कर रही थी। पुलिस अधीक्षक ने रात्री मे ही घटनास्थल का निरीक्षण कर मातहतों को उचित दिशा निर्देश दिया। प्रशासन किसी अनहोनी से बचने के लिए रात्रि में ही शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौप दिया गया तथा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ शव मृतक के घर पहले नेहरू नगर फिर छज्जापुर ले आये। और बुधवार को होली के दिन एकदम सुबह ही मांझे में उनके शव का अंतिम संस्कार पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में किया गया। यह टांडा नगर में पहला मौका था कि कोतवाल दीपक सिंह रघुवंशी ने मृतक समाजसेवी सुरेन्द्र मांझी को कंधा दिया। सुरेन्द्र मांझी के शव को मुखाग्नि उनके जेष्ठपुत्र नमित मांझी द्वारा दिया गया। अंतिम संस्कार के साथ मांझे में कोतवाल टांडा दीपक सिंह रघुवंशी, छज्जापुर चौकी इंचार्ज दिनेश कुमार मौर्य, सकरावल चौकी इंचार्ज राम प्रकाश सिंह समेत भारी मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहा।

बुधवार को मृतक सुरेन्द्र मांझी के भाई देवेन्द्र कुमार उर्फ पप्पू मांझी की तहरीर पर कोतवाली टांडा पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध हत्या का अभियोग पंजीकृत किया है। सुरेन्द्र मांझी के शव का अंतिम संस्कार हो ही रहा था कि कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम अकूतपुर नहर के पास एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा होने की सूचना मिली इतना ही नही उसकी सायकिल उसके शव के ऊपर पड़ी थी और उसके मुंह से झांग निकला हुआ था।

कुछ ही देर में शव की पहचान अरविन्द कुमार उर्फ कचालू प्रजापति (35) पुत्र राधेश्याम प्रजापति निवासी ग्राम पूरा चौवे थाना हंसवर के रूप में हुई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौप दिया। जनार्दनपुर में मिले फर्नीचर व्यवसायी सुरेन्द्र मांझी के शव के पास से गायब मोबाइल पर अंतिम काल मृतक अरविन्द कुमार प्रजापति उर्फ कचालू की पत्नी के मोबाइल से ही की गयी थी। पुलिस रात्रि में ही अरविन्द की पत्नी को कोतवाली टांडा लाकर पूछताछ कर रही थी कि बुधवार सुबह अरविन्द का शव नहर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला।

बांसी-धानी मार्ग पर कार-बाइक टक्कर दो नाबालिग गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गुरुवार को दोपहर को 1 बजे बांसी–धानी बाईपास मार्ग पर एक कार और मोटरसाइकिल की आमने–सामने की जोरदार टक्कर हो गई। यह दुर्घटना सेमरा मुस्तहकम गांव के पास कसीरन कॉलेज के सामने हुई। हादसे में मोटरसाइकिल पर सवार दो नाबालिग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार धानी की ओर से बांसी जा रही थी, जबकि मोटरसाइकिल पर सवार दोनों किशोर बांसी से धानी की तरफ आ रहे थे। कसीरन कॉलेज के सामने पहुंचते ही दोनों वाहनों में सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों किशोर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गए।

घायलों की पहचान अंश त्रिपाठी (पुत्र विशाल) और निरहू (पुत्र सजनू) के रूप में हुई है। दोनों खेसराहा थाना क्षेत्र के बनौली गांव के निवासी बताए जा रहे हैं और नाबालिग हैं। दुर्घटना के बाद उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही खेसराहा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने बिना देरी किए दोनों घायलों को अपनी सरकारी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस हादसे में कार और मोटरसाइकिल दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टक्कर के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना का मुख्य कारण सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना बताया है। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है और पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ई–लॉटरीः 6 मार्च को कलेक्ट्रेट सभागार में होगा किसानों का चयन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए किसानों से चौथी बार ऑनलाइन बुकिंग कराई गई है। यह बुकिंग वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए श्प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन–सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यूश और श्सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशनश योजनाओं के तहत की गई है। किसानों ने कृषि विभाग के पोर्टल पर 25 फरवरी 2026 से 4 मार्च 2026 तक आवेदन कर कृषि यंत्रों की बुकिंग की। कृषि विभाग के अनुसार, जिन कृषि यंत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, उनके लिए पात्र किसानों का चयन ई–लॉटरी के माध्यम से होगा। यह ई–लॉटरी प्रक्रिया 6 मार्च 2026 को दोपहर 2 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार, सिद्धार्थनगर में आयोजित की जाएगी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष यह चयन होगा।

उप कृषि निदेशक, सिद्धार्थनगर द्वारा जारी सूचना में बताया गया है कि जिन किसानों ने इन योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है, वे

निर्धारित तिथि और समय पर कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित हो सकते हैं। ई–लॉटरी के माध्यम से पात्र किसानों का चयन पारदर्शी तरीके से किया जाएगा, जिससे उन्हें योजनाओं का लाभ मिल सके। कृषि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई किसान ई–लॉटरी के समय उपस्थित नहीं हो पाता है, तब भी उसकी बुकिंग वैध मानी जाएगी। ऐसे किसानों को उपस्थित किसानों और जिला स्तरीय समिति द्वारा संपन्न कराई गई ई–लॉटरी प्रक्रिया से सहमत माना जाएगा। उनकी ओर से चयन प्रक्रिया पर कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सरकार का उद्देश्य कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना और किसानों को आधुनिक कृषि उपकरण उपलब्ध कराना है। इससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। इन योजनाओं के तहत फसल अवशेष प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए भी किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com